



Rajkiya Mahavidyalaya Kanvaghati Kotdwar (Pauri Garhwal)

Affiliated to Sri Dev Suman Uttarakhand University (Tehri Garhwal)

Programme Outcome

Bachelor of Arts

The B.A. programme in the college is affiliated by Sri Dev Suman University and follows the old annual mode syllabus and new semester mode syllabus prescribed by the NEP 2020. Faculty of Arts consists of Hindi, Sanskrit, English, Economics, Political Science and Sociology. B.A. programme in our college meets the standards prescribed by general humanities education.

Learning Outcomes:

- Students will develop a comprehensive understanding of different theories relating to different subjects
- The program offers a wide range of subject combinations to attract students to graduate in subjects of interest to them
- Students will understand different critical thinking Skills and conceptual clarity.
- The program provides the basis for being a responsible citizen
- Students acquire knowledge in the field of Social Sciences, Literature and Humanities which makes them sensitize towards society.
- Students will be familiar with social, economic, historical, geographical, political, ideological and philosophical tradition and thought.
- The program also entitles the graduates to appear in various competitive examinations or choose a postgraduate program of their choice.
- Students will enhance their knowledge of cultural heritage
- Students will enable to acquire knowledge along with human values that lay the groundwork to tackle various problems in life with courage and humanity.
- Program concerned with society and the relationships between individuals within a society. It has several branches each of which is considered a social science.

(हिन्दी)

बी०ए० प्रथम वर्ष / सेमेस्टर प्रथम / प्रश्नपत्र – प्रथम

प्राचीन एवं भक्तिकालीन काव्य

- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल की कविता का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी चन्द बरदाई, कबीर, जायसी, सूर और तुलसीदास के कृतित्व को समझने के क्रम में महाकाव्य विधा और मुक्तक विद्या का शिल्पगत ज्ञान पाता है।
- शिक्षार्थी आदिकालीन वीरकाव्य का ऐतिहासिक और सैद्धान्तिक परिचय एवं ज्ञान प्राप्त करता है।
- भक्तिकालीन निर्गुण धारा की ज्ञानाश्रयी शाखा के कवियों का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी सगुण भक्ति धारा की कृष्णभक्ति शाखा के कवियों का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- राम भक्ति शाखा के अर्न्तगत आने वाले तुलसीदास का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।

बी०ए० द्वितीय व

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र – गद्य एवं नाट्य साहित्य

- शिक्षार्थी हिन्दी की कथा परम्परा का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी हिन्दी उपन्यास के उद्भव व विकास तथा उसके शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी हिन्दी कहानी के उद्भव व विकास तथा उसके शिल्प ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी हिन्दी निबन्ध का उद्भव व विकास, तत्व, भेद का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी कथा साहित्य के अर्न्तगत उपन्यास और कहानी में अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी नाटक व एकांकी का उद्भव व विकास तथा उसके शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी नाटक साहित्य के अर्न्तगत नाट्य व एकांकी में अन्तर का ज्ञान प्राप्त करता है।

बी०ए० द्वितीय वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र – आधुनिक हिन्दी कविता

- इस प्रश्नपत्र में शिक्षार्थी आधुनिक हिन्दी कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास के अर्न्तगत भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, नकेनवाद, हालाबाद, का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी जय शंकर प्रसाद का परिचय प्राप्त करता है, उनकी महत्वपूर्ण रचना कामायनी में लज्जा सर्ग तथा उनकी रचना आँसू का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का परिचय प्राप्त करता है, उनकी महत्वपूर्ण रचना 'सरोज स्मृति' का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत का परिचय मिलता है, नौका बिहार, परिवर्तन, प्रथम रश्मि जैसी कविताओं का अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

- शिक्षार्थी प्रयोगवादी कवि अज्ञेय का परिचय प्राप्त करता है, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, साँप जैसी रचनाओं का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी गुमानी पंत, सुभद्रा कुमारी चौहान, श्री राम शर्मा 'प्रेम' लीलाधर जगूड़ी की रचनाओं का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।

बी०ए० तृतीय वर्ष

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र—प्रयोजनमूलक हिन्दी

- शिक्षार्थी प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी भाषा के विविध रूपों – संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, राजभाषा, बोलचाल की हिन्दी, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी, संविधान में हिन्दी से परिचित होता है और ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी पत्राचार का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी प्रमुख जनसंचार माध्यमों का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी पत्रकारिता के स्वरूप का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी समाचार लेखन, पृष्ठसज्जा, प्रस्तुतीकरण एवं पृष्ठविन्यास का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी संपादन कला के अर्न्तगत प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी का रोजगार हेतु कौशल विकास होता है।

बी०ए० तृतीय वर्ष

हिन्दी द्वितीय प्रश्नपत्र—उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य

- इस प्रश्नपत्र से शिक्षार्थी उत्तरांचल का हिन्दी साहित्य का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी जहाज का पंछी (इलाचंद जोशी) उपन्यास का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी नाटक – बाँसुरी बजती रही (गोविन्द चातक) का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी प्रबंध काव्य – अग्नि सागर (श्याम सिंह शशि) का अध्ययन कर मानवता के विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी यात्रा वृत्तांत – पत्थर और पानी (नेत्र सिंह रावत) का अध्ययन कर उत्तरांचल का ज्ञान प्राप्त करता है।
- शिक्षार्थी को स्मारक साहित्य के स्वरूप व उसकी अन्य विद्याओं का ज्ञान प्राप्त होता है।

(संस्कृत)

बी० ए० प्रोग्राम आउटकम

1. साहित्य समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में संस्कृत साहित्य के चयन से साहित्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त होगा तथा विद्यार्थी तात्कालिक समाज एवं संस्कृति से अवगत हो सकेंगे।
2. संस्कृत भाषा के अध्ययन से विद्यार्थी आत्मविश्वास से युक्त एवं नैतिक की क्षमता प्राप्त होगी।
3. संस्कृत भाषा के अध्ययन से विद्यार्थियों को वाचन लेखन एवं अध्ययन की भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।
4. संस्कृत वैज्ञानिक भाषा होने के कारण विद्यार्थी संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने एवं समझने योग्य होंगे।
5. संस्कृत भाषा के अध्ययन, सम्भाषण से विद्यार्थी जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेंगे।
6. संस्कृत भाषा के अध्ययन से विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन के कार्य में अग्रसर हो सकेंगे।
7. संस्कृत साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
8. संस्कृत भाषा के अध्ययन से संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण का ज्ञान हो सकेगा।

बी० ए० संस्कृत कोर्स आउटकम

प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत नीति साहित्य एवं व्याकरण।

1. विद्यार्थी संस्कृत नीति साहित्य से परिचित होकर उसमें प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
2. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
4. स्वर व्यंजन के मूल भेद को समझ सकेंगे।
5. स्वर व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशेष ज्ञान एवं उनके प्रयोग का कौशल विकसित होगा।

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत महाकाव्य, छन्दोडलंकार एवं नाटक।

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य से परिचित होकर काव्य के भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझ सकेंगे।
3. संस्कृत महाकाव्यों के अध्ययन से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
4. विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को समझ सकेंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र – गद्यकाव्य, प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का इतिहास।

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक विकास होगा।
3. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र—वेद एवं दर्शन

द्वितीय प्रश्न पत्र-वेद एवं दर्शन

1. वैदिक वाङ्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में सहायक होगा।
2. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
3. उपनिषदों का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का बोध होगा।
4. दार्शनिक तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर उनके प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
5. विद्यार्थी महाभारत से परिचित होकर श्रीमद्भगवत गीता के माध्यम से ज्ञान के महत्व को आत्मसार कर सकेंगे।
6. विद्यार्थी आत्मप्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र – काव्यालोचन, योग, आयुर्वेद तथा वास्तुविज्ञान।

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. योग से परिचित होकर योग के महत्व को जान सकेंगे।
3. आयुर्वेद से परिचित होकर ऋतुओं के अनुसार उचित आहार – विहार की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. वास्तु विज्ञान से परिचित होंगे।

द्वितीय प्रश्न पत्र – उत्तराखण्ड का अर्वाचीन संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं निबन्ध।

1. विद्यार्थी उत्तराखण्ड के प्रमुख काव्यकारों से परिचित होकर उनसे काव्य सृजन की प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक विकास होगा।
3. भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसार कर उत्तम नागरिक बनेंगे।

Department. of English

Programme outcome

PROGRAMME OUTCOME

The programme:

- Helps the students to learn the evolution of language and literature.
- Enhances critical thinking of students.
- Cultivates language skills of students by introducing them to structures of language through a wide variety of literary works.
- Introduces different literary periods and trends of each of these periods.

Programme Specific Outcome

By the end of the programme:

- The students become capable of interpreting and exploring relationships from the points of View of different people.
- Become inspired by fiction, open up their minds and stimulate the sympathetic/empathic imagination by allowing them to see the world through other's eyes as well to foster intercultural dialogue
- Approach and appreciate Indian literature in English and explore its uniqueness and its place among the literatures in English.
- Get sensitized with the critical tools used in the reading of literature.

Course Outcome

Class Course title Course Outcome-B.A. Ist Semester

Introduction to English

Prose

- Understand important terms pertaining to prose writings, including various stylistic and figurative devices.
- Gain an introductory knowledge of the development and significance of literature in English.
- Apprehend the growth of English essays through the contributions of some of the greatest essayist.
- Have an introductory study of forms such as Drama and Novel.

B.A. II nd Year- Paper I (Poetry)

- To introduce the students to the basic elements of poetry, including the stylistic and rhetorical devices employed in poetry.
- To create awareness among the learners about different forms and themes of poetry produced across the globe in the history of literature.

B.A. II nd Year-Paper II (Fiction)

- To help students to discover the pleasures in reading fiction.
- To acquaint the students with different types of fiction and analyze them.

B.A. IIIrd Year -Paper I (Indian and American Poetry)

- To introduce students to the various phases of the evolution in Indian writing in English.
- To acquaint them with the writings of different Indian poets and help them to appreciate the variety and diversity of Indian writing in English.

B.A. IIIrd Year -Paper II (Drama)

- To provide students a general introduction to the major texts that led to the evolution of American Literature.
- To familiarize the students with the issues and problems America has gone through and how they find expression in her literature.

Department of Economics

Program Outcomes

- Economic graduates are familiar with the knowledge and application of microeconomics and macroeconomics for the formulation of policies and planning.
- Ability to analyze historical and current events from an economic perspective
- The course intends to introduce the students with the broad contours of Economics its methodologies, tools and analysis procedures.
- Acquire skills in Critical Thinking, Quantitative Reasoning, Problem Solving and Communication
- The course also aims to create an enthusiasm among students about different schools of Economic thought and various aspects of social science research, methodology, concepts and tools like data analysis, research methodology.
- Students are able to understand Indian economy and economics principles, it enhances them to compute and assess the real situation of the economy including the size and changes of population, income pattern, nature of an extend of employment, rate of development with pattern of investments and savings, policies in relation to other countries, and social security measures adopted in the country.

Program Specific Outcomes

- Ability to conduct empirical studies for scientific social science researches as well as to analyze and interpret them
- Acquiring knowledge, competency and confidence to take up career in Indian Economic Service
- On completion of the course students are able to develop ideas of the basic characteristics of Indian economy, its potential on natural resources, grasp the importance of planning undertaken by the government of India
- Students have knowledge on the various objectives, failures and achievements as the foundation of the ongoing planning and economic reforms taken by the government.
- The students are able to demonstrate marginal productivity theory of distribution, theory of wages, identify different types of rent, and illustrate different theories of interest and profits.
- Ability to perform as a successful economic analyst for industry, trade and commerce, banking and non-banking financial institutions.
- They are able to apply economic concepts to contemporary social issues and formulation of policy.

Micro Economics

- This course will expose the students to the basic principles in Microeconomics and their applications. Study of micro economics enables the students to have an understanding of theoretical aspects of the subject.
- This paper helps to students to understand the market mechanism and how market determines prices in different types of markets. It also helps to understand the optimum equilibrium of producer and how can optimum equilibrium achieve.
- The students learn some basic principles of microeconomics and interactions of supply and demand, characteristics of perfect competition, efficiency and welfare.
- Students are able to understand and define the basic concepts like consumer behavior, production, demand and supply etc.
- This course will help the students to understand different forms of market imperfections and market failures observed in real life situations.
- They will also develop a sense of how the production is distributed among the different factors of production and the demand for inputs.
- Students will learn about the price and output determination of the firm and industry under different market forms. They also learn about the Welfare concept in modern Economics.

Macro Economics

- This course introduces students to the basic concepts in Macroeconomics.
- In this course the students are introduced to the definition, measurement of the macroeconomic variables like GDP, consumption, savings, investment and balance of payments.
- This course will enable the student to understand various real economic issues and evaluate policy outcomes.
- This is a sequel to Principles of Macroeconomics I. It analyses various theories of determination of National Income in greater detail.
- It also introduces students to concept of inflation, its relationship with unemployment and some basic concepts in an open economy.
- This course provides students with an analytical framework to understand the basic functioning of the macro economy.
- It also allows them to critically examine and comment on effectiveness of various policies.
- Students learn about macroeconomics and different theories regarding the determination of income and employment by different economists.
- They learn about the consumption and investment functions. And also, about the functioning of multiplier process.

Public Finance

- This paper deals with the principles of public finance, public expenditure, Public Debt & income and taxes.
- The students can learn about the principles and policies of budget of central and state government also.
- Understanding of the rationale for the existence of modern governments.
- Familiarity with the micro and macro aspects of public expenditure.
- Acquaintance with the phenomenon of externality and the role of government.
- An understanding of the mechanics of government budget.
- The overall outcome of the course is the development of an understanding of public sector financial resources.

Money Banking & International Trade

- The study of money, banking and international trade enables to understand the function of money, banking and international trade relations.
- It helps to know the principles of international trade which governs the exchange of goods between nations and problems of import-export policy.
- Explain the significance of money, money supply and money demand.
- Illustrate the operations of monetary and banking systems.
- Analyze the policies of the Government and RBI
- Explain the significance of International Trade relations between the countries of the world.
- Identify the functioning of International institutions.

Indian Economy

- This paper helps to know structure and the main problems of Indian economy such as poverty, unemployment and problems of agriculture and industries.
- Understand the features of Indian economy and suggest measures for problems.
- Functioning and the interrelationship between different sectors of the Indian economy.
- The students will come to know the Features of Indian Economy.
- The students will Learn Agriculture, Industrial and Service Sectors of the economy.
- The students will get familiar with various Poverty Alleviation and Employment Generation Schemes.

Basics of Labour Economics

- To understand the concept of Basic Labour Economics.
- The students will learn the importance of labour economics.
- The students will get familiar with characteristics of Industrial labour.
- The students will come to know about labour legislation and labour unions.
- The students will learn Social Security and Labour Welfare measures for labours

Basic Quantitative Techniques in Economics

- This paper deals with mathematical approach of economics. This paper helps to know the basics of statistics.
- Students will be able to understand the Basic concept of Mathematical Economics
- Students will be able to use the mathematical tools and methods in Economics
- Learn to analyse quantitative methods to describe an economic phenomenon.
- Study to analyse and interpret economic policies in the light of mathematical tool of analysis
- Evaluate the empirical economic problems through mathematical application.

Basics of Agricultural Economics

- The student will learn about the structure and characteristics of the agricultural sector in less developed countries like India. Understand the various constraints specific to less developed agriculture
- The student will learn the diversification in agriculture and about agriculture finance.
- The student will come to know the basics of agriculture and rural economics
- Exposure to theories regarding the operation of various institutions within the agricultural sector of LDCs.
- Develop an understanding of the manifold obstacles to agricultural development, and the policies adopted to overcome them, with particular emphasis on the Indian agricultural scenario.
- Understanding of the role of agriculture in economic development.
- The student will get familiar with land distribution and agriculture production

Basics of Demography

- Students will be able to comprehend about concept and definition of demography.
- It will expand their knowledge about vital statistics and demographic variables. They can analyze social demographic variables and calculate measures of fertility, mortality, nuptiality and migration to compare and study of demographic process related to different regions.
- They can describe the application of life table analysis to the research.
- The students will come to know population growth and economic development.
- The students will come to know about migration and its features.
- The students will be able to understand the concept of demographical development of India.
- The overall objective and learning outcome of studying Demography is related with the understanding and consequent critical thinking resulted from interrelation between population growth variables and socio-economic development of the region

Economic Growth & Development

- The students will be able to understand the development theories
- The students will come to know about Classical period thinkers in economics.
- The students will know about Nationalist & Welfare Economists.
- Study the concept of economic development and growth
- Know the obstacle of economic development
- Provide the knowledge and measure the role of different sectors in Indian economy
- The students will be able to understand the concept of demographical development of India
- Student acquaint with the basic concepts and issues of growth and development.
- Provide an insight into the modern approaches to economic development.
- Know how to measure National Income.
- An insight into the need for sustainable economic development.
- Study about Human Development Indicators and their role in designing development programmes.

History of Economic Thought

- Know the history and development of economic ideas.
- Compare and analyze the present changes in economic thinking.
- Debate which school of economic thought would be most apt for our economy.
- This course provides basic understanding about the celebrated economists and their contributions starting from the classical period.

Basics of Industrial Economics

- The students will come to know about Industrial Process, growth of Firm and Process of Innovation.
- The students will study rationalism and effects of globalization on industry.
- Explain the various theories of firms and its legislations.
- Discuss the principles, operational policies and practices of the financial services sector to meet the growing needs of the economy
- Discuss the various financial institutions at work in our country and their purposes.

Economy of Uttarakhand

- The course introduces about the economy of Uttarakhand and demographic profile of Uttarakhand.
- The student will learn agriculture and industrial profile of Uttarakhand economy.
- The student will come to know about various poverty alleviation programmes in Uttarakhand.
- The students will come to know about various employment generation programmes in Uttarakhand

Basics of Computer Application in Economics

- The students will come to know about various devices related to computer system.
- The students will come to know about the number system used in computer system.
- The students will get familiar with various types of Basic Computer Application software's.
- The students will come to know about word processing software and internet

Research Project

- The Students understanding of apply Economic and Mathematical tools will increase.
- The students will interpret the data and infer conclusions.
- The Student learns the process of completing a substantial research-based project Demonstrate the potential to improve student achievement, engagement and retention Demonstrated ability to lead and manage change in collaboration with others understand the ethical issues involved in research analyze data understand synthesize research findings.

Department of sociology

B.A. Sociology programme outcomes

- This program will provide them basic understanding of the Indian society and the key concept in the discipline of sociology.
- It will also sensitize them about social system and social problems of society.
- It will give them basic understanding and skill related to Social Research, techniques of data – collection, sampling and the process to conduct the social research and sensitivity about gender issues in society.
- Students will gain knowledge about the classical and Indian sociological thinkers and development of sociological thought.
- Sociological knowledge and analytical skills of the students enable them to think critically about Indian society and emerging social problems and issues.

Course outcomes, B.A. 1ST Year sociology

Introduction to sociology & structure of Indian society.

- After completing this course, students will be able to:
 - Students will have introduce to new concept of sociological discipline that will enhance the conceptual learning and understanding of the basic concepts used in sociology.
 - It will contribute in enriching the vocabulary and scientific temperament of the students and enable the Lerner to develop keen insights to distinguish between the common sense knowledge and sociological knowledge.
 - They will understand the basic features of the Indian social system.
 - They will understand the problems of backward classes and constitutional safeguards for their development.
- 1. Basic sociological concepts & Indian social system after successfully.**
Completing this course, students will be able to –
- Understand the basic concept and structure of society.
 - They will understand the difference between culture and civilization, different social processes like associative and dissociative.
 - They will have knowledge about the traditional social intuitions like – Caste system, Jajmani system, Kinship system etc.

Course outcomes, B.A. 2ND Year sociology

1. Process of social change & social change in india.

After successfully completing this course student will be able to –

- Understand the concept, dynamics and processes related to change in society.
- A critical understanding of social change would enable students to come out with suggestions contributing to social cohesion in society.
- It will help the students to grasp the changing concepts like Westernization, Sanskritization, Modernization, Globalization etc.

2. Social Research & Techniques of Data Collection & Statistical Analysis

–

- This course will enable the students to understand social research Techniques which are used to investigate social phenomena.
- They will have the skills to conduct social survey.
- They will be familiar with formulation of significant hypothesis, Methods of Data – Collection and Sampling Techniques.
- They will have basic knowledge on elementary statistics.

Course outcomes, B.A. 3RD Year sociology

1. Classical & Indian Sociological Thought

- After completing this course the students will have the knowledge about the classical sociological thinkers and their contribution in the field of sociology.
- The knowledge about the thinkers and their theories would equip them with theoretical insights to understand social scenario around them and also familiarize them with different perspectives and theories.
- They will be able to apply the sociological imagination and sociological concepts and principles to understand the society and also their own life.

2. Rural Sociology & Indian Rural Social Problems

- This course will help the students to gain knowledge about the rural society.
- It will help the students to understand the process of change in rural society like – Little Tradition, Great Tradition, Universalization etc.
- They will gain knowledge about the traditional power structure in rural society, planned change in rural society.
- They will have the knowledge of rural social problems like – rural health, rural poverty, problems of weaker sections etc.

Political Science

For Undergraduate Degree Program

Program Outcome

- The understanding of fundamental concepts helping in developing foundation and insight into the issues pertaining the complexities of the problems of the courses.
- Initiating the development of knowledge regarding understanding and identifying course specific problems, formulating the suggestive answers, reviewing the literature and the methodologies adopted for analyzing the problems and reaching adequate results.
- Fundamentals of Design/development of solutions: Knowledge about the development of solutions of problems through appropriate research methods.
- Knowledge regarding employment of technique: Imparting knowledge regarding the employment of the technique relevant to the study and understanding their limitation.
- Development of the insight into the ethical responsibilities and practices in the respective fields

Course Outcomes

B.A 1 –Paper I (Basic Concepts of Political Science)

- Analysing what is Politics and explaining the approaches to the Study of Political Science – Normative, Behavioral, Post Behavioral, and Feminist.
- Assessing the theories of State (Origin, Nature, Functions): Contract, Idealist, Liberal and Neo-Liberal Theories.
- Explaining the Concept of State Sovereignty: Monistic and Pluralistic Theories. Analysing the changing concept of Sovereignty in the context of Globalization.
- Classification of David Held's Democratic Theories.
- Understanding basic concepts of Liberty, Equality, Rights, Law and Justice.
- Assessing empirical Political Theory: System's Analysis, Structural Functionalism.
- Explaining Dialectical Materialism and Historical Materialism with special reference to relationship between base and superstructure.
- Analysing the theory of class and class struggle.
- Describing the Marxist Approach to politics.

Political Science
For Undergraduate Degree Program
Program Outcome

- The understanding of fundamental concepts helping in developing foundation and insight into the issues pertaining the complexities of the problems of the courses.
- Initiating the development of knowledge regarding understanding and identifying course specific problems, formulating the suggestive answers, reviewing the literature and the methodologies adopted for analyzing the problems and reaching adequate results.
- Fundamentals of Design/development of solutions: Knowledge about the development of solutions of problems through appropriate research methods.
- Knowledge regarding employment of technique: Imparting knowledge regarding the employment of the technique relevant to the study and understanding their limitation.
- Development of the insight into the ethical responsibilities and practices in the respective fields

Course Outcomes

B.A 1 –Paper I (Basic Concepts of Political Science)

- Analysing what is Politics and explaining the approaches to the Study of Political Science – Normative, Behavioral, Post Behavioral, and Feminist.
- Assessing the theories of State (Origin, Nature, Functions): Contract, Idealist, Liberal and Neo-Liberal Theories.
- Explaining the Concept of State Sovereignty: Monistic and Pluralistic Theories. Analysing the changing concept of Sovereignty in the context of Globalization.
- Classification of David Held's Democratic Theories.
- Understanding basic concepts of Liberty, Equality, Rights, Law and Justice.
- Assessing empirical Political Theory: System's Analysis, Structural Functionalism.
- Explaining Dialectical Materialism and Historical Materialism with special reference to relationship between base and superstructure.
- Analysing the theory of class and class struggle.
- Describing the Marxist Approach to politics.

B.A-II Year –Semester-III Paper-I
(Foundations of Western Political Thought)

- This paper providing an insight into the dominant features of Ancient Western Political Thought: Ancient Greek political thought with focus on Aristotle and Plato; Roman Political Thought: its contributions with special emphasis on the emergence of Roman law.
- This Course the ancient and modern political thinking in the west.
- Examining the features of Medieval Political Thought.
- Evaluating the Renaissance; political thought of Reformation; and Machiavelli.
- Critically examining Badin's contributions to the theory of Sovereignty; Hobbes as the founder of the science of materialist politics; Locke as the founder of Liberalism with focus on his views on natural rights, property and consent; and Rousseau's views on Freedom and Democracy; Bentham's Utilitarianism; and John Stuart Mill's views on liberty and representative government.
- Taking an insight into the following: Hegel's views on Civil Society and State; Utopian and Scientific socialism: basic characteristics.
- This would help to understand the idea of state rights, liberty, equality and justice. Which have evolved a period of time.
- This paper would help to understand the Greek political thinkers as Plato, Aristotle. This paper also increase the knowledge of students about the many political thoughts origin of the state, idealism, utilitarianism, Marxism etc.

B.A III Year Semester: VI – Paper II
(Fundamentals of Indian Political Thought)

- Acquaintance to Indian national movement & constitution is indispensable for a student to make a sense of the Indian political system.
- The course is designed to provide an overview of Indian freedom struggle and key concepts of the Indian constitution to the student. This would evolve him into a conscientious citizen.
- Assessing the nationalist thought of Vivekananda and Tagore.

- Explaining the formation of the Congress in 1885.
- Tracing the Bengal Partition and the Swadeshi movement.
- Analysing the Gandhian Movements such as the Khilafat, Non Cooperation, Civil Disobedience movements.
- Assessing the alternatives to the Indian National Congress- the Forward Bloc, Congress Socialist Party, Communist Parti of India.
- Describing the movements against caste and untouchability, Ambedkar's views on Social Justice and the depressed classes.
- Analysing the Working Class and Peasant movements under colonial rule
- Discussing the roots of communalism- Savarkar and Hindu Nationalism and Jinnah and the two nation theory.
- Estimating the contribution of the August 1942 movement, the INA and the naval uprising.
- This paper helps the students to understand about the Indian constitution: preamble, fundamental rights, fundamental duties, loksabha, rajayasabha, president, prime minister, supreme court, party system in India, electoral behavior, the students understands issues of Indian politics as caste, class, gender, by this paper. They interest to know the problems of terrorism, insurgency and national integration.

B.A-III Semester : V Paper-I

(The Major Theories of International Politics)

- Explaining scope and subject matter of International Relations as an autonomous academic discipline.
- Approaches and methods to study the discipline through Political realism, Pluralism and Worlds system's Model.
- Examining the issues of Underdevelopment, Terrorism, Regionalism and Integration that characterizes the Post second world war order.
- Studying the role of Diplomacy, Propaganda and Military capabilities in the making of foreign policy.
- Explaining certain basic concepts like Globalization in contemporary world order.
- Describing the Cold War phases and understanding the post Cold War era.
- Discussing the developments in European Ethno-nationalism since 1990's. Tracing the growth of European Union

- Examining Indian Foreign Policy: Basic Principles, Evolution and Bilateral Relations.
- Evaluating the working of UN and its organs; Peace keeping Function and Human Rights.
- Analysing the Foreign Policy of USA and China.
- Studying the developments in third world countries in post world war II era like NAM: Relevance, ASEAN, SAFTA and SAARC, OPEC, OAU, West Asia-Palestine problem after Cold War
- This course seeks to equip students the basic tools for understanding international relations.
- It also introduces major events and developments. Those have shaped the contemporary international system.
- It aims to capture the changing dynamics of the international politics by taking up burning and relevant issues which have potential to alter its contours.
- This course would help to the students to know about international politics, national interest, foreign policy, united nation organization and regional organizations: Saarc, Asian and Europeans union.

B.A III Year Semester: V Paper -II

(Elements of Public Administration)

- Explaining the nature, scope and evolution of Public Administration; Private and Public Administration; Principles of Socialist Management.
- Discussing making of Public Policy Making and methods of Implementation
- Analysing the major Concepts in Public Administration.
- Tracing the Challenges in the discipline of Public Administration like New Public Administration (NPA); Comparative Public Administration (CPA) and Development Administration.
- Discussing the Ecological approach to Pub. Adm.
- Analysing the Administrative Processes: decision making; communication and control; leadership; co-ordination.
- Discussing Weberian and Marxian theories of bureaucracy.
- Studying the Organization of the Union Government and State Government.
- Examining the Institutions of Local Self Government in India
- Assessing the relationship between the Citizen and Administration: Lokpal and Lokayukt.

- Understanding the concept of District Administration in India.
- Examining the Institutions of Financial Administration in India.
- Analysing the Civil Service in India.
- Explaining the Planning and Planned Administration in India. Continuity and Change in Indian Administration.
- Administration being essential to every organization. This course aims to acquaint a student with fundamentals of public administration too.
- Students could understand about public administration and private administration and personnel administration by help of this course. They also increase their knowledge to know the budget. Ombudsman with special reference to lokayukta and lokpal in India.